

Clause 1, the Enacting Formula and the Title were added to the Bill.

SHRI R. VENKATARAMAN: Sir, I move:

"That the Bill be returned."

The question was proposed.

SHRI M. KALYANASUNDARAM: Sir, in the third reading I want to say a few words. Otherwise the third reading will lose its grace. I want to say only one or two words with your permission. We are the Members from Tamil Nadu. We raised a very vital point agitating our minds with regard to debt relief...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKA): The scope for the third reading is very limited. You can give the arguments either in support or in opposition nothing more. If you do not have anything, please sit down.

श्री शिव चन्द्र झा : श्रीमन्, मैं यह कहना चाहता हूँ कि.....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKA): No, there is no time left now.

The question is:

"That the Bill be returned."

The motion was adopted.

MESSAGE FROM THE LOK SABHA

The Brahmaputra Board Bill, 1980

SECRETARY-GENERAL: Sir, I have to report to the House the following message received from the Lok Sabha signed by the Secretary of the Lok Sabha :

"In accordance with the provisions of Rule 96 of the Rules of Procedure and Conduct of Business

in Lok Sabha, I am directed to enclose herewith the Brahmaputra Board Bill, 1980, as passed by Lok Sabha at its sitting held on the 7th August, 1980."

Sir, I lay the Bill on the Table.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI R. R. MORARKA): Now, special mention by Shri Shahi.

REFERENCE TO THE REPORTED LATHI-CHARGE BY THE POLICE ON LOK DAL SATYAGRAHIS AT BAGHPAT

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, बड़े दुःख के साथ मुझे कल की दुर्घटना का जिक्र करना पड़ रहा है ।

श्री रामानन्द यादव (बिहार) : आप अब स्पेशल मेशन करते रहिये ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : श्रीमन्, परसों बागपत में लोक दल के पांच सौ सत्याग्रही गिरफ्तार हुए । पुलिस की ओर से यह आरोप लगाया गया कि सत्याग्रहियों की ओर से कुछ पत्थर फेंके गये । लेकिन हमें सूचना मिली है कि सत्याग्रहियों की ओर से कोई पत्थर नहीं फेंके गये थे और पत्थर पुलिस ने कांग्रेस-आई के कुछ लोगों को लगा कर फेंकवाये थे ।

एक माननीय सदस्य : यह गलत बात है ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : तब भी लोक दल के नेताओं ने इस बात की व्यवस्था की कि बागपत में सत्याग्रह शांतिपूर्वक हो और सत्याग्रहियों की ओर से ऐसी कोई बात न की जाय कि पुलिस को कुछ कहने का मौका मिले । श्रीमन्, इसलिए हमने अपनी पार्टी के जनरल सेक्रेटरी श्री रवी राय को जो भारत